सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 271 | इंदौर, शनिवार 18 अप्रैल, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

खुली चिट्ठी

पुष्पेन्द्र पुष्प

● "चुनाव का महासंग्राम

नेता बनाम नेता और बीच में फंसी जनता

बंगाल की राजनीति इन दिनों किसी सीरियल से कम नहीं लगती—बस फर्क इतना है कि यहाँ "कट" बोलने वाला डायरेक्टर नहीं है। हर पार्टी खुद को हीरो समझ रही है और सामने वाली को विलेन, लेकिन कहानी का असली किरदार—जनता—कहीं साइड रोल में धकेल दी गई है।

एक तरफ नेता जी मंच पर गरजते हैं—"हम आएंगे तो सब बदल देंगे!"

दूसरी तरफ विपक्षी नेता जवाब देते हैं—"ये लोग आए तो सब बिगाड़ देंगे!"

और जनता सोचती है—"भाई, पहले ये बता दो कि हमारा क्या सुधारोगे, बाकी लड़ाई बाद में कर लेना"

राजनीतिक रैलियाँ अब मुद्दों से ज्यादा "माइक की ताकत" का मुकाबला बन गई हैं। जितनी जोर से भाषण, उतनी बड़ी हेडलाइन। पर अफसोस, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे असली मुद्दे बैकग्राउंड म्यूजिक की तरह धीरे-धीरे बजते रहते हैं—सुनाई कम देते हैं, लेकिन होते बहुत जरूरी हैं।

मजेदार बात ये है कि हर पार्टी खुद को जनता का सबसे बड़ा हितैषी बताती है।

लेकिन जब सवाल आता है—

युवाओं को नौकरी कब मिलेगी?

छोटे व्यापारियों को राहत कैसे मिलेगी?

किसानों की आय सच में कैसे बढ़ेगी?

तो जवाब थोड़ा "गोलमोल" हो जाता है—जैसे क्रिकेट में बॉलर नो-बॉल डालकर भी विकेट लेने की कोशिश कर रहा हो।

बंगाल की जनता भी अब समझदार हो चुकी है। वो सिर्फ नारे नहीं, नतीजे चाहती है। उन्हें ये फर्क नहीं पड़ता कि कौन सी पार्टी किससे ज्यादा लड़ रही है—उन्हें फर्क पड़ता है कि कौन उनकी जिंदगी बेहतर बना रहा है।

अंत में बात सीधी है—

राजनीति अगर सिर्फ "तू-तू, मैं-मैं" बनकर रह जाएगी, तो जीत चाहे किसी की भी हो हार हमेशा जनता की ही होगी। क्योंकि असली चुनाव नेता नहीं, जनता की उम्मीदें लड़ रही होती हैं।

editor@dgr.co.in

"हार कर जीतने वाले को बाजीगर कहते है "

"महिला बिल" या चुनावी चाल?

अचानक से महिला आरक्षण की बात तेज़ हो जाती है संसद में गूंज उठती है "नारी शक्ति" की आवाज़

लेकिन सवाल ये है—क्या ये सच में महिलाओं को सशक्त बनाने की पहल है, या फिर चुनावी शतरंज की एक चाल?

अगर बिल पास हो जाता है तो श्रेय सरकार लेगी—"देखिए, हमने इतिहास रच दिया।"

और अगर अटक जाता है, तो उंगली विपक्ष पर—"इन्होंने महिलाओं के हक़ रोक दिए।"

यानी हर हाल में जीत की पटकथा पहले से तैयार?

राजनीति में टाइमिंग कभी भी इत्तेफाक नहीं होती।

जब चुनाव करीब हों, तब ऐसे बड़े फैसले सिर्फ कानून नहीं होते—वो एक मैसेज होते हैं, एक नैरेटिव होता है।

अब असली सवाल जनता के लिए है—

क्या हम मुद्दों को समझकर फैसला लेंगे, या सिर्फ बनाई गई कहानी पर भरोसा करेंगे?

सोचिए क्योंकि लोकतंत्र में सबसे बड़ा "बाजीगर" आखिरकार वोटर ही होता है।

● 1. क्या यह चुनावी स्टंट हो सकता है?

राजनीति में हर बड़ा फैसला "राजनीतिक फायदा" ध्यान में रखकर ही लिया जाता है।

सत्तारूढ़ पार्टी यानी भारतीय जनता पार्टी अगर इस बिल को अचानक लाती है, तो उसका मकसद केवल कानून बनाना ही नहीं, बल्कि महिला वोटर्स को सीधे मैसेज देना भी होता है।

भारत में महिला वोटर अब "निर्णायक शक्ति" बन चुकी हैं—कई राज्यों में पुरुषों से ज्यादा वोटिंग प्रतिशत भी देखा गया है।

● 2. पास न होने पर किसे फायदा?

यहीं असली "राजनीतिक चाल" समझ में आती है:

अगर विपक्ष, खासकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस या अन्य दल किसी कारण से समर्थन में शर्तें रखते हैं (जैसे OBC/दलित महिलाओं के अलग कोटा की मांग),

और बिल अटकता है या पास नहीं होता—

तब सत्तारूढ़ पार्टी यह नैरेटिव बना सकती है:

"हम तो महिलाओं को अधिकार देना चाहते थे, लेकिन विपक्ष ने रोक दिया।"

यानी:

पास हुआ क्रेडिट सरकार का

पास नहीं हुआ दोष विपक्ष का

इसे राजनीति में "win-win positioning" कहा जाता है।

● 3. "नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक पैटर्न रहा है:

सीधे-सीधे लड़ाई के बजाय नैरेटिव कंट्रोल करना

मुद्दे को इस तरह फ्रेम करना कि विपक्ष "defensive" हो जाए

तो ये कहना पूरी तरह गलत नहीं होगा कि:

यह कदम सिर्फ कानून नहीं, बल्कि चुनावी कहानी (political narrative) बनाने का हिस्सा भी हो सकता है।

● 4. लेकिन एक दूसरा एंगल भी है

थोड़ा संतुलन जरूरी है:

महिला आरक्षण की मांग 20+ साल पुरानी है पहले भी मनमोहन सिंह सरकार के समय यह राज्यसभा में पास हुआ था, लेकिन लागू नहीं हो पाया

तो इसे पूरी तरह "स्टंट" कहना oversimplification होगा

और इसे "पूरी तरह ईमानदार प्रयास" कहना भी अधूरा सच होगा लेकिन सीधी भाषा में

हाँ, इसमें चुनावी रणनीति का बड़ा रोल हो सकता है

हाँ, इससे विपक्ष को "महिला विरोधी" दिखाने की कोशिश भी हो सकती है

लेकिन साथ ही यह एक वास्तविक और लंबे समय से लंबित मुद्दा भी है।

(#पुष्प)

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की सख्त कार्रवाई

निर्माण इकाई, वेयरहाउस व प्रतिष्ठानों का निरीक्षण 17 नमूने लिए, 635 किलो खाद्य पदार्थ जब्त

इंदौर। इंदौर जिले में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार खाद्य पदार्थों की सघन जाँच की जा रही है। इसी सिलसिले में आज इंदौर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई की गई। इस दौरान प्रतिष्ठानों में कई प्रकार की अनियमितताएं एवं कमियां पाये जाने पर कार्रवाई की गई।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा हुकुमचंद कॉलोनी स्थित फर्म हीना इंडस्ट्रीज का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रोपराइटर श्री दिनेश जायसवाल परिसर में खाद्य कारोबार का संचालन करते हुए पाए गए। परिसर में मैंगो, पेप्सी, पंजाबी लस्सी एवं ऑरेंज बेवरेज का निर्माण एवं पैकिंग किया जाना पाया गया। जांच में यह भी पाया गया कि निर्माण में बोरिंग के पानी का उपयोग किया जा रहा था तथा

निर्माण में प्रयुक्त पानी की जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके अतिरिक्त परिसर में निर्मित खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं पाई गई तथा लाइसेंस शर्तों के अनुसार अन्य कमियां भी पाई गईं।

निरीक्षण के दौरान तीन फ्लेवर में पेप्सी (बेवरेज) का निर्माण एवं पैकिंग किया जाना पाया गया, जिनमें लेबलिंग प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। मौके से मैंगो पेप्सी, पंजाबी लस्सी, ऑरेंज बेवरेज, शक्कर एवं स्प्रेटा दही के कुल 05 नमूने जांच हेतु लिए गए तथा लगभग 635 किलोग्राम खाद्य पदार्थ जप्त किया गया। साथ ही ऑरेंज बेवरेज, जिसमें लेबलिंग से संबंधित गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, के निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से बंद कराया गया तथा कमियों में सुधार हेतु संबंधित प्रतिष्ठान को नोटिस जारी किया जाएगा।

Zepto वेयरहाउस में पाई गईं कई कमियां

इसी क्रम में न्यू ट्रेक इंफो मीडिया (Zepto), शांति पैराडाइस, निरंजनपुर देवास नाका, इंदौर का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर शिफ्ट इंचार्ज श्री कुलदीप गर्ग उपस्थित पाए गए। निरीक्षण में कई कमियां पाई गईं, जिनमें फूड हैंडलर्स के मेडिकल सर्टिफिकेट का अभाव, कर्मचारियों द्वारा कैप, एप्रन एवं ग्लव्स का उपयोग नहीं करना, उचित तापमान नियंत्रण प्रणाली का अभाव, परिसर में पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं होना तथा खाद्य पदार्थों एवं अखाद्य पदार्थों का उचित पृथक्करण नहीं होना शामिल है। साथ ही खाद्य पदार्थों को रखने वाले रैक के नीचे गंदगी पाई गई तथा वेज एवं नॉनवेज खाद्य पदार्थों को अलग-अलग नहीं रखा जाना भी पाया गया।

मौके से साबूदाना, चाय पत्ती, घी एवं गुड़ के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए। इसके अतिरिक्त FSSAI द्वारा जारी मासिक सर्विलेंस प्लान के अंतर्गत जिले में विक्रय किए जा रहे कैफिनेटेड बेवरेज (एनर्जी ड्रिंक) के 05 नमूने भी जांच हेतु लिए गए। प्रतिष्ठान में पाई गई कमियों के संबंध में सुधार हेतु नोटिस जारी किया जा रहा है।

CM हेल्पलाइन शिकायत पर कार्रवाई

इसी क्रम में CM हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत के आधार पर लेटेस्ट बेकरी, इंदौर रोड, बेटमा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के श्री ऋषभ कुमावत की उपस्थिति में शिकायत की जांच कर दूध पेप्सी, कोला पेप्सी एवं मावा कुल्फी आइसक्रीम के कुल 03 नमूने जांच हेतु लिए गए। शिकायतकर्ता को की गई कार्रवाई से अवगत कराया गया, जिस पर शिकायतकर्ता ने संतोष व्यक्त किया।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा है कि आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने खाद्य कारोबार संचालकों को निर्देशित किया है कि वे खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन करते हुए स्वच्छता, गुणवत्ता एवं लेबलिंग संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करें, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं भी संदिग्ध या मिलावटी खाद्य पदार्थों का विक्रय होता दिखाई दे तो इसकी सूचना प्रशासन को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके।

एप्पल प्रोडक्ट बदलकर 14 लाख की ठगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म के जरिए ठगी करने वाले गिरोह का चंदन नगर पुलिस ने खुलासा किया है। आरोपी महंगे एप्पल प्रोडक्ट मंगवाकर उन्हें बदलकर नकली सामान कंपनी को वापस कर देते थे। इस तरह करीब 14 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने वर्चुअल नंबर और फर्जी प्रोफाइल बनाकर अमेजन पर ऑर्डर किए। डिलीवरी के समय असली प्रोडक्ट जैसे iPod और पेंसिल निकालकर उसकी जगह नकली सामान पैक कर ऑर्डर को रिजेक्ट दिखाते हुए कंपनी को रिटर्न कर दिया जाता था। इस मामले में डिलीवरी पार्टनर कंपनी के कर्मचारी दीपक मोहेर और प्रवीण सिंह की भूमिका सामने आई है, जिन्होंने गिरोह के साथ मिलकर इस ठगी को अंजाम दिया। जांच के दौरान पुलिस ने दीपक मोहेर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में मास्टरमाइंड रितिक गुप्ता का नाम सामने आया, जिसे तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जयपुर से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी असली प्रोडक्ट को बस के जरिए जयपुर भेजते थे, जहां से रितिक गुप्ता उन्हें दिल्ली के करोल बाग में बेचकर मोटा मुनाफा कमाता था।

कटाक्ष

बेटी के बालिग होने से 6 माह पहले हो गई थी शादी की तैयारी

प्रशासन की टीम ने परिजनों को समझाकर विवाह को कराया निरस्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हम जिस समाज से हैं उसे 2 साल पहले शादी करने की छूट है, हम कम उम्र में परंपरा के अनुसार शादी कर सकते हैं। जब अधिनियम की जानकारी दी तो परिवार 6 महीने छोटी बेटी का विवाह निरस्त करने को तैयार हो गया।

इंदौर के अहिल्या पलटन में मंडप सज कर तैयार था। दुल्हन को हल्दी लग रही है और विवाह के गीत गाए जा रहे थे, तभी महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम शिकायत के आधार पर पहुंच गई और परिवार को यह विवाह निरस्त करने के लिए कहा। लड़की के पिता कहने लगे हमारी परंपरा के अनुसार समाज को छूट है कि हम 16 साल की उम्र में बेटी की शादी कर सकते हैं। जब इस तरह का कोई नियम शासन के किसी आदेश में होने की जानकारी उनसे चाही गई तो वे बगले झांकने लगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग शहरी परियोजना क्रमांक 6 की परियोजना अधिकारी चित्रा यादव, बाल विवाह विरोधी उड़नदस्ता प्रभारी श्री महेंद्र पाठक, सदस्य संगीता सिंह चाइल्डलाइन के फूल सिंह कारपेंटर ने परिजनों को समझाया। श्रीपाठक ने बताया कि परीक्षण करने पर पता चला कि बेटी की उम्र 18 वर्ष होने में सिर्फ 6 महीने बाकी है। वर-वधू के परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी देते हुए कानून और सजा के प्रावधान के साथ ही उन्हें कम उम्र में बेटी की शादी करने से होने वाले नुकसान समझाएं। लंबे समय तक चली बहस के बाद दोनों परिवार यह विवाह निरस्त कर सिर्फ आने वाले मेहमानों को भोजन करने पर राजी हो गया। उनका कहना था कि खर्चा हो गया है और आमंत्रण पत्र बंट गए हैं, मेहमान आएंगे तो उन्हें खाली नहीं लौटा सकते। इस पर उन्हें भोजन कराने की छूट दी गई है।

श्री पाठक ने बताया कि 19 अप्रैल को होने वाले विवाह के दिन वर वधु के यहां नजर रखी जाएगी। शपथ पत्र देने के बावजूद यदि विवाह किया जाता है तो उनके विरुद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत करवाई की जाएगी। सुपरवाइजर हर्षा जेठवा, चाइल्ड लाइन के अमन और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता फिरदौस कमली व सपना गहलोत भी शामिल रहे।

उल्लेखनीय है कि जिले में बाल विवाह रोकथाम के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर और महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा बाल विवाह रोकथाम के लिए दल गठित किए गए हैं। कंट्रोल रूम या हेल्पलाइन पर शिकायत मिलते ही अनुभाग स्तर के दल उम्र का परीक्षण करेंगे, यदि कोई परिवार नहीं मानता तो जिला स्तर का दल जाकर पहले समझाइस देगा और नहीं मानने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बाल विवाह रोकथाम को लेकर जिले में सतत जागरूकता अभियान पुलिस और प्रशासन के द्वारा चलाए जा रहा है।

लव जिहाद को लेकर बड़ा प्रदर्शन

बजरंग दल ने लव जिहाद पर की अंकुश लगाने की मांग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। राजवाड़ा पर शुक्रवार को बजरंग दल व अन्य हिन्दूवादी संगठनों ने लव जिहाद'को लेकर बड़ा प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र व अन्य राज्यों में लव जिहाद के मामले सामने आने पर कार्यकर्ता एकजुट हुए और उन्होंने अपना विरोध जताया।

उनके हाथों में तख्तियां भी थीं, जिन पर लिखा था धर्मांतरण बंद हो, प्रेम का इस्लामीकरण बंद हो। इसके अलावा कार्यकर्ता नारे भी लगा रहे थे कि बजरंग दल का एक ही नारा, लव जिहाद से मुक्त हो देश हमारा। सुबह साढ़े दस बजे से बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद व अन्य हिन्दूवादी कार्यकर्ता राजवाड़ा पर एकत्र होने लगे थे। सैकड़ों की संख्या में आधे घंटे में कार्यकर्ता आ गए और उन्होंने नारेबाजी कर तथा तख्तियां लहराकर लव जिहाद

के विरोध में अपना प्रदर्शन दर्ज कराया। इस प्रदर्शन को देखते हुए राजवाड़ा पर बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया था। प्रदर्शन के दौरान हिन्दूवादी नेताओं ने कहा कि प्रशासन को लव जिहाद की रोकथाम के लिए अपनी निगरानी व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। देश में लव जिहाद के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हिन्दू परिवारों की बेटियों को बहला-फुसलाकर शादी के जाल में फंसाया जाता है और फिर उन्हें मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए कहा जाता है। इंदौर में भी लव जिहाद के कई मामले सामने आते हैं। ज्यादातर मामलों को हिन्दूवादी संगठन ही उजागर करते हैं, लेकिन प्रशासन को भी अब इस मामले में सख्ती दिखानी चाहिए। प्रदर्शन में प्रवीण दरेकर, सह संयोजक अविनाश कौशल, अन्नू गेहलोत सहित अन्य नेता मौजूद थे।

होमगार्ड सैनिक ने ली 200 की रिश्वत

किराएदार का सत्यापन कराने के लिए मांगे पैसे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। राजेंद्र नगर थाने में पदस्थ होमगार्ड सैनिक ने किराएदार का सत्यापन करने के लिए 200 रुपए की रिश्वत ली। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो सामने आने के बाद एसीपी निधि सक्सेना ने सैनिक को थाने से हटा दिया है।

होमगार्ड सैनिक संजय भदौरिया किराएदार का सत्यापन करने गए थे। उन्होंने कागजों में कमी बताकर मकान मालिक से 200 रुपए मांगे। मकान मालिक ने पैसे दिए, तो संजय ने लेकर रख लिए। इसका वीडियो बन गया और बाद में वायरल हो गया। शाम को यह वीडियो एसीपी तक पहुंच गया। उन्होंने सैनिक को तुरंत थाने से हटा दिया। इसी थाने से तीन माह पहले होमगार्ड सैनिक आनंद पिंगले को हटाया गया था। आनंद ने शराब के नशे में सड़क पर हंगामा किया था। लोगों ने उसकी वर्दी भी खीची थी। इस घटना का भी वीडियो सोशल मीडिया पर आ गया था। राजेंद्र नगर थाने में हाल ही में अभिषेक पाटिल नाम के युवक की मौत के बाद एसआई मनोहर पाल ओर टीआई नीरज बिरथरे पर कार्यवाही हुई है। दोनों को थाने से हटा दिया गया। गुरुवार रात अफसरों ने यंशवत बडोले को राजेंद्र नगर थाने की कमान सौंपी है। उन्हें कुछ दिन पहले सदर बाजार थाने से हटाकर क्राइम ब्रांच भेजा गया था। यशंवत बडोले जोन 1 के अफसरों के खास माने जाते हैं।

12वीं फेल होने पर छात्रा ने जहर खाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। गांधी नगर इलाके में रहने वाली एक छात्रा ने गुरुवार को जहर खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां देर रात उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि एक दिन पहले छात्रा का 12वीं का रिजल्ट आया था। वह फेल हो गई थी। इसके चलते छात्रा ने यह कदम उठा लिया।

गांधी नगर पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली खुशी (18) पुत्री आलोक मौर्य ने अपने घर में जहर खा लिया था। उसका निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि खुशी तीन सब्जेक्ट में फेल हो गई थी। इसके बाद से वह डिप्रेशन में चल रही थी। खुशी इलाके के

निजी स्कूल में ही पढ़ाई कर रही थी। उसके पिता स्क्रेप का काम करते हैं। वहीं परिवार में एक छोटा भाई है। परिजनों ने बताया कि जिस दिन उसका रिजल्ट आया। उस दिन वह रो रही थी। तब उसे समझाया था कि वह इस साल फिर से मेहनत कर ले, लेकिन वह डिप्रेशन में चली गई। परिवार ने बताया कि स्कूल के और भी बच्चों का रिजल्ट बिगड़ा है। पुलिस के मुताबिक उन्हें किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों के बयान के बाद मामले में जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। टीआई सुशील पटेल के अनुसार मारुति नगर में एक पिकअप वाहन ने बाइक सवार प्रवीण पारसी (निवासी बिजलपुर) को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल प्रवीण को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान दोपहर में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गीताभवन पर कैफे में लगी आग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। गीताभवन क्षेत्र में गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात एक कैफे में आग लग गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इस दौरान सिलेंडर फटने से बड़ा धमाका भी हुआ, हालांकि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

फायर ब्रिगेड के अनुसार, रात करीब 2:15 बजे सूचना मिली कि गीताभवन मंदिर के पास स्थित एक कैफे में आग लगी है। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग बुझाने का काम शुरू किया, लेकिन तब तक शेड और अंदर का सामान पूरी तरह जल चुका था। दमकल विभाग ने करीब दो टैंकर पानी डालकर आग को कंट्रोल किया। सूचना पर पलासिया थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। इसी रात मल्हारगंज क्षेत्र के गोपाल चौराहे के पास एक फ्लैट में आग लग गई। आग से घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। फ्लैट में किराए से रहने वाला बंसल परिवार समय रहते बाहर निकल गया। फायर ब्रिगेड ने करीब 10 हजार लीटर पानी डालकर आग पर काबू पाया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य संजय बंदोपाध्याय विशेष रूप से हुए शामिल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुधार एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य श्री संजय बंदोपाध्याय (सेवानिवृत्त आईएएस) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, डीसीपी ट्रैफिक श्री राजेश त्रिपाठी, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह, श्री प्रखर सिंह, श्री अभय राजनगांवकर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में श्री संजय बंदोपाध्याय ने कहा कि सड़क एवं यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए इंफोर्समेंट और जन-जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों की मदद लेकर सड़क सुधार कार्यों में तेजी लाई जाए तथा बड़े शहरों के सफल नवाचारों को साझा किया जाए। उन्होंने ब्लैक स्पॉट के सुधार पर विशेष फोकस करने, सड़क दुर्घटना होने पर तत्काल पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने और तुरंत एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यों को परिणाममूलक बनाने, यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालानी कार्रवाई को तेज करने तथा चालान प्रक्रिया में एआई जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग पर भी जोर दिया।

बैठक में जिले में पिछले पांच वर्षों के दौरान हुई सड़क दुर्घटनाओं, मृत्यु एवं घायलों की संख्या का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। ब्लैक स्पॉट्स के डेटा, उनकी वर्तमान स्थिति तथा किए गए सुधार कार्यों के प्रभाव पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में जिले में किए जा रहे नवाचार एवं श्रेष्ठ अभ्यासों की जानकारी दी गई। साथ ही सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए गए भौतिक एवं इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन उपायों की समीक्षा की गई। राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर स्थित प्रमुख ब्लैक स्पॉट्स के निरीक्षण एवं सुधार कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा हुई।

मजदूर की हत्या, मैदान में मिला शव, पत्थरों से सिर कुचला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र के स्कीम नंबर 136 स्थित एक खाली मैदान में एक मजदूर का शव मिला है। मृतक का चेहरा नुकीले पत्थरों से कुचला हुआ था। पुलिस को आशंका है कि नशे की हालत में मजदूर और आरोपियों के बीच विवाद हुआ होगा। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है और न ही हत्यारों का कुछ पता चल पाया है। शुक्रवार सुबह रहवासियों ने मैदान में शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आसपास के लोगों से भी मृतक के बारे में जानकारी जुटाई गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस खाली मैदान में अक्सर असामाजिक तत्व और नशेड़ी आकर बैठते हैं, और यहां पहले भी कई बार विवाद हो चुके हैं। पुलिस मैदान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों के बारे में कोई सुराग मिल सके, लेकिन कुछ सुराग हाथ नहीं लगा। आसपास की बस्ती में जाकर गुमशुदा लोगों के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है, ताकि मृतक के बारे में कुछ पता चल सके। मृतक की जेब से भी पुलिस को कुछ नहीं मिला। आशंका है कि हत्या करने वालों ने उसकी जेब से पैसे, मोबाइल या अन्य सामान भी निकाल लिया होगा। फिलहाल पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।गौरतलब है कि इससे पहले आजाद नगर क्षेत्र में भी एक युवक का शव खाली मैदान में मिला था, और उस हत्या के मामले का भी अब तक खुलासा नहीं हो पाया है।

ओंकारेश्वर को बनाया जा रहा है ग्लोबल सेंटर ऑफ वननेस (एकात्मता का केंद्र)

आदि शंकराचार्य का दर्शन भारतीय संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिक एकता का बना आधार : मुख्यमंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ओंकारेश्वर, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अद्वैत ज्ञान के सूर्योदय के केन्द्र ओंकारेश्वर की चेतना की अनुभूति आज सबको हो रही है। ज्ञान और ध्यान की धरती मध्यप्रदेश ने ऐतिहासिक रूप से धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया है। हर युग में इसके प्रमाण विद्यमान हैं। श्रीरामचन्द्र जी वनवास मिलने पर मंदाकिनी माता के किनारे चित्रकूट के धाम पधारें और प्रभु श्रीराम का आगे का जीवन मानव मात्र के लिए पूजनीय हो गया, समाज ने रामराज्य का अनुभव प्राप्त किया। भगवान श्रीराम ने संस्कारों, व्यवहारगत मूल्यों, परस्पर संबंधों सहित शासन के ऐसे सूत्र प्रदान किए जो आज भी महत्वपूर्ण हैं। इसी प्रकार श्रीकृष्ण, कंस वध के बाद शिक्षा ग्रहण करने उज्जयिनी स्थित सांदीपनि आश्रम पधारें। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने कर्मवाद का संदेश दिया, जो वर्तमान में भी प्रासंगिक है। सनातन काल में कालड़ी केरल

से चले 8 वर्षीय बालक शंकर ओंकारेश्वर पधारे, जहां परम पूज्य गुरू गोविंदपाद जी के आशीर्वाद से आदि शंकराचार्य बनकर सनातन धर्म की धारा को अविरल रूप से बहाने का आधार प्रदान किया। आदि शंकराचार्य का दर्शन भारतीय संस्कृति, धर्म और आध्यात्मिक एकता का आधार बना। हमारी सनातन विरासत, शास्त्र और आध्यात्मिक परम्पराएं यदि आज जीवित एवं जागृत हैं तो यह आदिगुरू शंकराचार्य के प्रयास और आशीर्वाद से ही संभव हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आचार्य शंकराचार्य जी की जयंती के अवसर पर ओंकारेश्वर के एकात्म धाम में आयोजित 5 दिवसीय प्रकटोत्सव के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में श्री द्वारका शारदा पीठ के जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती, विवेकानंद केंद्र की उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता भिड़े, स्वामी शारदानंद सरस्वती सहित वरिष्ठ संतवृंद उपस्थित थे। राज्य सरकार के संस्कृति विभाग तथा आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास के तत्वावधान में 17 अप्रैल से 21 अप्रैल तक एकात्म पर्व मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री द्वारका शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती महाराज के साथ वैशाख शुक्ल पंचमी के उपलक्ष में आयोजित आदि शंकराचार्य के प्रकटोत्सव 'एकात्म पर्व' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अद्वैत लोक एवं अक्षर ब्रह्म प्रदर्शनी का लोकार्पण किया। साथ ही वे वैदिक अनुष्ठान में भी सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संस्कृत सेवा फाउंडेशन पुणे के श्री रोहन अच्युत कुलकर्णी द्वारा लिखित पुस्तक "वेदांतसिद्धान्तचन्द्रिका विथ उदग्र" का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एकात्म धाम की यात्रा, प्रकल्प और भावी स्वरूप पर केंद्रित वेबसाइट https://www.oneness.mp.gov.in/ का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम में एकात्म यात्रा तथा अद्वैत पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार सनातन संस्कृति के सिद्धांतों के अनुरूप समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित है। चिंतक एवं विचारक पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों में भी एकात्मता के भाव की अभिव्यक्ति होती है। राज्य सरकार अंत्योदय के सिद्धांतों के क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।

यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सख्त मध्यप्रदेश सरकार

15 वर्ष से अधिक पुरानी यात्री बसें नहीं दिखेंगी सड़कों पर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर मध्यप्रदेश सरकार पूरी तरह से सख्त है। इसी के अंतर्गत यात्रियों की जान से खिलवाड़ करने वाली 15 साल से अधिक पुरानी यात्री बसें अब सड़कों पर दिखाई नहीं देंगी। प्रदेश के परिवहन विभाग द्वारा प्रदेश भर में अभियान चलाकर 15 साल से अधिक पुरानी बसों पर कार्रवाई की जा रही है। वाहन मालिकों को नोटिस भेजकर वाहनों का पंजीयन निरस्त किया जा रहा है। गुना, कटनी, मंडला और रतलाम जिले में 128 से अधिक वाहनों का पंजीयन निरस्त करने के लिए जिलों के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के अधिकारियों द्वारा कार्रवाई की गई है। इधर, यात्रियों की सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि यात्रियों की जान से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए और सड़क परिवहन को सुरक्षित, विश्वसनीय और मानकों के अनुरूप बनाया जाए।

गुना जिले में परिवहन विभाग द्वारा 15 वर्ष से अधिक पुरानी हो चुकी यात्री बसों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिले में ऐसी वाहनों की संख्या 19 है। इनमें से क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा 9 वाहनों का पंजीयन निरस्त कर दिया गया है। शेष वाहनों का पंजीयन निरस्त करने के लिए वाहन मालिकों को नोटिस जारी किया गया है। कटनी जिले में 15 वर्ष से अधिक पुराने यात्री वाहनों की संख्या 66 है। यहां पर भी जिले क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा सभी वाहन मालिकों को वाहनों का पंजयीन निरस्त करने के लिए नोटिस जारी किया गया है।

इसी प्रकार रतलाम जिले में 15 साल से अधिक पुराने यात्री वाहनों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिले में ऐसे वाहनों की संख्या 34 है। इसमें से 1 वाहन का पंजीयन निरस्त कर दिया गया है। शेष यात्री वाहनों का पंजीयन निरस्त करने के लिए परिवहन कार्यालय द्वारा वाहन मालिकों को नोटिस जारी किया गया है। मंडला जिले में भी परिवहन विभाग के निर्देश पर 15 वर्ष से अधिक पुरानी बसों पर विभाग द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। जिले में ऐसे यात्री वाहनों की संख्या 18 है। इन सभी यात्री वाहनों का पंजीयन निरस्त करने के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा वाहन मालिकों को नोटिस जारी किया गया है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र में 15 करोड़ की डकैती

हथियार लेकर घुसे 5 डकैतों ने मैनेजर को पीटा, फायरिंग की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सिंगरौली, एजेंसी। प्रदेश के सिंगरौली में दिनदहाड़े बैंक डकैती का मामला सामने आया है। यहां बैढ़न स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में शुक्रवार दोपहर 5 हथियारबंद बदमाश घुसे। फायरिंग कर करीब 9-10 किलो सोना और 20 लाख कैश लेकर भाग गए। सोने की कीमत करीब 15 करोड़ आंकी गई है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे की है।

जानकारी के मुताबिक, लूटा गया सोना ग्राहकों का था, जिसे बैंक ने गिरवी रखकर लोन जारी किया था। सोना एक ही लॉकर में रखा गया था, जिसे बदमाशों ने

निशाना बनाया। आरोपी पिट्ठू बैग के साथ एक बड़ा कपड़े का थैला लेकर आए थे। उसी में सारा माल भरकर फरार हो गए। चश्मदीद आशीष पांडे ने बताया कि जब वह अपनी पत्नी के साथ बैंक में काम करा रहे थे, तभी अचानक दो हथियारबंद बदमाश अंदर दाखिल हुए। उन्होंने तुरंत बैंक कर्मचारियों को बंधक बना लिया। इसके कुछ ही मिनटों बाद तीन और हथियारबंद साथी अंदर पहुंचे। पूरे बैंक को अपने कब्जे में ले लिया। बदमाशों ने वहां मौजूद ग्राहकों और कर्मचारियों पर बंदूक तान दी, जिससे बैंक परिसर में चीख-पुकार मच गई। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर विधायक रामनिवास शाह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने अंदर जाकर बैंक कर्मचारी और मैनेजर से बात की। विधायक ने बताया कि घटना गंभीर है, इसलिए सीएम भी चिंतित हैं। प्रभारी मंत्री संपतिया उइके भी पहुंच रही हैं। बैंक कर्मचारी डरे हुए हैं। रीवा रेंज के आईजी साकेत प्रसाद पांडे मौके पर पहुंचे हैं। उनके साथ रीवा से फोरेंसिक टीम भी जांच के लिए आई है।

शिक्षकों के लिए बड़ी राहत

TET विवाद पर राज्य सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट

दायर की पुनर्विचार याचिका

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के लाखों शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी विवाद के बीच राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए सर्वोच्च न्यायालय में रिव्यू पिटीशन (पुनर्विचार याचिका) दायर कर दी है। इस निर्णय से प्रदेश के शिक्षकों में समाधान की उम्मीद और विश्वास दोनों मजबूत हुए हैं। इस संबंध में मुख्यमंत्री निवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में हुई चर्चा एवं सुझावों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में प्रकरण क्रमांक 19599/2026 के तहत रिव्यू पिटीशन दायर कर दी। मध्य प्रदेश शासन द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर किए जाने पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष अनिल कोठारी, जिलाध्यक्ष राजेंद्र पांचाल, मानसिंह बामनिया, प्रकाश माली, दशमसिंह चौहान, खुशालसिंह चौहान, संजय धानक, सुभाष डामोर, कोमलसिंह परमार, मंगलसिंह पनड़ा, हीरालाल चौहान, दीपसिंह सिंघाड़, सवसिंह ढाकिया, गुलसिंह भूरिया, रमेश खपेड़, दीपक टेलर, यतींद्र डोसी, हरिप्रिया निगम, गायत्री इमलियार, कलावती टाक, अनिता जाखड़, किरण बारिया, शशि त्रिवेदी सहित अन्य पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

युवक को 9 टुकड़ों में काटकर सेप्टिक टैंक में डाला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

मंडला, एजेंसी। प्रदेश के मंडला में एक युवक की हत्या कर शव के 9 टुकड़े कर उन्हें घर के सेप्टिक टैंक में छिपाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। टैंक से कपड़े में लिपटे बॉडी पार्ट्स बरामद हुए हैं। परिजनों ने इस हत्याकांड में मृतक के बड़े भाई पर शक जताया है।

पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब घर के सेप्टिक टैंक से तेज बदबू आने लगी। पिता मुन्नालाल साहू ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने टैंक खुलवाया तो अंदर कपड़े में लिपटे शव के कई हिस्से मिले। हालात देखकर मौके पर मौजूद लोग सन्न रह गए। बाद में परिजनों ने कपड़ों और अन्य पहचान के आधार पर शव की पहचान आशीष साहू के रूप में की। जांच के दौरान शक परिवार के भीतर ही केंद्रित हो गया है। मृतक के बड़े भाई घनश्याम साहू पर परिजनों और स्थानीय लोगों ने संदेह जताया है। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों भाइयों के बीच पहले भी विवाद की स्थिति बनती रही थी। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2019 में परिवार में हुए विवाद के बाद दोनों भाइयों की मां घर छोड़कर चली गई थी और तब से वह लापता है। इस पारिवारिक पृष्ठभूमि को भी जांच के एंगल से देखा जा रहा है।

संपादकीय

महिला आरक्षण विधेयक के गिरने के मायने और भविष्य की राह

विदेश मंत्री और राज्यसभा सांसद एस. जयशंकर ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लोकसभा में पारित नहीं होने पर विपक्ष को घेरा है। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि आज देश ने इन दलों का असली चेहरा देख लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाले संविधान संशोधन को रोककर विपक्ष ने महिलाओं के वैध अधिकारों से उन्हें वंचित किया है। जयशंकर ने कहा कि आज देश की महिलाएं और पूरा राष्ट्र इस घटनाक्रम को देख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 'नारी शक्ति' का जो अपमान हुआ है, उसे कभी माफ नहीं किया जाएगा। लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 के जरूरी दो-तिहाई बहुमत से पारित नहीं हो पाया। शुक्रवार को हुए मतदान में 528 सदस्यों में से 298 ने विधेयक के पक्ष में और 230 ने विरोध में मतदान किया, लेकिन यह दो-तिहाई बहुमत से पारित नहीं हो सका और सरकार को लगभग 54 वोटों की कमी रह गई। शुक्रवार को संसद में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के फ्लोर लीडर्स की एक अहम बैठक हुई। इस बैठक में तय किया गया कि एनडीए के घटक दल संसद में विपक्ष के महिला सशक्तिकरण के विरोध के मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे। सरकार ने तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया था, जिसमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 पर चर्चा और प्रस्तुति की गई। विपक्ष ने महिलाओं के आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने का विरोध किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सदन में महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़े इस विधेयक का समर्थन करने की अपील की थी। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने यह भी कहा था कि दक्षिणी राज्यों को अपनी मौजूदा सीटों के अनुपात में किसी तरह की हानि नहीं होगी। हालांकि, विपक्ष अपने रुख पर अडिग रहा।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

शूद्र

गांव के सिरे पर एक मां-बेटी झोपड़ी में रहती थी। मां विधवा थी तो बेटी कुवांरी। घर में और कोई आदमी न था। बेटी गौरा बाग से पत्तियां बटोर कर लाती तो मां गंगा भाड़ झोंकती थी। इससे सेर भर अनाज मिल जाता तो दोनों खाकर सो पड़ती थी। इसी से उनका गुजर-बसर हो रहा था।

हर मां की तरह गौरा की मां को भी हमेशा यही चिंता रहती थी कि किसी तरह उसकी बेटी की सगाई हो जाए। पति के मर जाने के बाद गंगा ने कभी दूसरा घर नहीं बसाया, न ही कोई रोजगार शुरू किया था। तब भी मां-बेटी सुकून से रहती थीं। इस बात को लेकर गांव के लोगों पर मां-बेटी पर संदेह होता था। सबके मन में यही सवाल आता था कि दोनों स्त्रियां कोई धंधा नहीं करती, कोई मर्द भी नहीं है तो फिर ये इतने आराम से कैसे रहती हैं। कभी इन्हें किसी के सामने हाथ फैलाते भी नहीं देखा। कुछ न कुछ गड़बड़ जरूर है।

शूद्रों की बिरादरी बहुत छोटी होती है। पांच-दस कोस से अधिक उनका दायरा नहीं होता। आखिर क्या कारण है कि कोई गौरा से शादी के लिए तैयार नहीं होता। गौरा की शादी के लिए मां-बेटी ने साथ कई तीर्थ यात्राएं की। उड़ीसा तक हो आए लेकिन कुछ हल नहीं निकला।

गौरा सुंदर और सुशील थी, लेकिन किसी ने उसे कुएं पर हंसते-बोलते नहीं देखा था। उसकी निगाहें कभी ऊपर न उठती थीं। उसकी ये हरकत गांव वालों के शक को और मजबूत करती थी। सभी को यही लगता कि कोई स्त्री इतनी सती कैसे हो सकती है। दिन गुजरते गए। गौरा की मां चिंता में घुलती जा रही थी। उधर गौरा की सुंदरता, उसकी जवानी गांव वालों की नजरों में चुभ रही थी।

एक परदेसी गांव से दूर नौकरी की खोज में कलकत्ता जा रहा था। दस-बारह कोस दूर पहुंचते उसे रात हो गई। उस समय वह एक गांव में पहुंचा था। वह लोगों से किसी कहार का घर पूछते हुए गंगा के घर पहुंचा। परदेसी को देख गंगा बहुत खुश हुई। गंगा मे उस परेदसी से उसका नाम पूछा, तो परदेशी ने बताया कि उसका नाम मंगरू है। इसके बाद गंगा ने मंगरू का खूब आदर-सत्कार किया। उसके लिए अच्छे पकवान भी बनाएं। धीरे-धीरे दोनों की बातचीत भी बढ़ने लगी। इसी दौरान शादी की चर्चा भी छिड़ गई। मंगरू नौजवान था। तभी उसकी निगाह गौरा पर पड़ी। गौरा एक सुंदर और शांत हाव-भाव की लड़की थी, जिसे देखते ही मंगरू भी मोह में पड़ गया और वह झट से गौरा से सगाई के लिए मान गया।

उसने दो-चार गहने खरीदे और कपड़े उधार लेकर सगाई कर ली। गंगा बेटी-दामाद को अपनी नजरों से दूर नहीं करना चहाती थी, इसलिए दोनों गंगा के साथ ही रहने लगे। दस-पंद्रह दिन भी नहीं बीते थे कि मंगरू के कानों में कई तरह की बातें पड़ने लगी। बिरादरी के अलावा दूसरी जाति के लोग भी कई तरह की बातें बनाने लगे। मंगरू इन अटकलों से परेशान हो गया था, लेकिन वह गौरा को छोड़ना भी नहीं चाहता था।

एक महीने बाद मंगरू अपनी बहन के घर गया। बहन ने खाना परोसा। मंगरू ने बहनोई को साथ खाने के लिए कहा। बहनोई बोला- तुम खा लो, मैं बाद में खा लूंगा। मंगरू को कुछ संदेह हुआ। उसने साफ पूछ लिया कि आखिर बात क्या है?

बहनोई बोला- मैं तुम्हारे साथ नहीं खा सकता। तुमने बिरादरी से बाहर शादी की है। किसी से न कुछ पूछा, न कुछ बताया। जब तक पंचायत नहीं होगी मैं तुम्हारे साथ उठ-बैठ नहीं सकता। तुम्हारी हरकत की वजह से मैं समाज से रिश्ता नहीं खत्म कर सकता।

मंगरू तेजी से उठा और ससुराल लौट आया। मन बेचैन था। उसने किसी से कुछ नहीं कहा और रात के अंधेरे में गौरा को छोड़कर चला गया। इसी तरह कई साल बीत गए, लेकिन मंगरू का कुछ पता न चला। पति के गायब होने पर भी गौरा उदास न थी। वह हंसती-खेलती, मांग में सिंदूर लगाती, रंग-बिरंगे कपड़े पहन कर तैयार होती थी। अपने पीछे मंगरू एक भजन की किताब छोड़ गया था। खाली समय में गौरा उस किताब से कोई भजन गाती थी।

पहले गौरा गांव की औरतों से ज्यादा मिलती-जुलती नहीं थी। दरअसल, उसके पास उन स्त्रियों से बात करने के लिए कोई विषय ही नहीं होता था। गौरा के पास अब गृहस्थ जीवन की ढेरों बातें थी, जिसकी चर्चा वह गली मोहल्ले की औरतें के साथ करती थी। वह सभी को बताती कि मंदरू कितना अच्छा, सहनशील है। तभी वहां मौजूद एक स्त्री ने पूछ लिया- गौरा मंगरू तुम्हें छोड़ कर क्यों चला गया?

गौरा कहती- मर्द कभी ससुराल में रह सकता है भला? बाहर जाकर पैसे कमाना ही मर्द का असली काम है। वहीं जब कोई गौरा से ये सवाल करता कि- मंगरू खत क्यों नहीं लिखता?

इस पर गौरा मुस्कुरा कर कहती- अपना ठिकाना बताने से डरते हैं। जानते हैं कि गौरा सामने आ पहुंचेगी। सच कहूं तो मैं उनके बिना एक दिन भी नहीं रह सकती।

एक सहेली बोली- तेरी बात हम नहीं मानते। जरूर मंगरू और तेरी लड़ाई हुई होगी। तभी इसी तरह बिना बताए वह तुझे छोड़कर चला गया।

गौरा बोली- बहना, अपने भगवान से भी भला कोई लड़ता है क्या? जिस दिन ऐसी नौबत आई मैं कहीं जाकर डूब मरुंगी।

कई दिनों बाद कलकत्ता से एक आदमी आया और गंगा के घर रुका। इत्तेफाक से वह मंगरू का पड़ोसी निकला। उसने कुछ पैसे और दो साड़ियां गौरा के हाथ में थमाई और बोला कि मुझे मंगरू ने तुम्हे लेने भेजा है। ये सुनते ही गौरा की खुशी का ठिकाना न रहा। वह फटाफट जाने के लिए तैयार हो गई। गांव की औरतों से मिल आई और सबको अपने जाने की खबर दे आई। बेटी के जाने से गंगा मायूस थी, लेकिन साथ ही खुश भी थी।

रास्ते भर गौरा के मन में हजारों अच्छे-बुरे ख्याल आते रहे। बीच-बीच में उसे अपनी मां के अकेलेपन की भी याद आ जाती। डर सताता कि बेचारी अम्मा अकेले कैसे रहेगी, सारा काम अकेले करना पड़ेगा। बूढ़ी दिन भर रोती रहेगी। इसी उधेड़बुन में रास्ता कट गया। लगभग तीन दिनों बाद गाड़ी कलकत्ता स्टेशन पहुंची। गौरा का दिल जोर से धड़क रहा था।

वह प्लेटफार्म पर उतर कर मंगरू का इंतजार करने लगी। बूढ़ा बोला- मैंने आस पास सभी जगह देख लिया, लेकिन मंगरू तो कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। शायद अब तक आया नहीं है।

गौरा घबरा गई। तभी बूढ़ा बोला- चलो हम डेरा पर चलते हैं, उसे मालूम न था कि हम कौन सी गाड़ी से आ रहे हैं। ऐसे में भला उसकी राह देखने से कोई फायदा नहीं। गौरा बात मान गई और दोनों तांगे पर सवार होकर चल दिए।

यह पहली बार था जब गौरा गांव से बाहर निकली थी, उसकी आंखें इधर-उधर चीजों को निहारने में लगी हुई थी। अचानक तांगा एक सुंदर और विशाल भवन के सामने रूका। गौरा उतरी और तेजी से सीढ़ियों के सहारे ऊपर चढ़ने लगी। मंगरू से मिलने की थोड़ी भी देरी उससे बर्दाश्त नहीं हो रही थी।

तभी बूढ़े ने पहली मंजिल के एक कमरे की ओर इशारा करते हुए कहा- यह मंगरू का कमरा है। जाओ वह अंदर ही पड़ा होगा। गौरा अंदर गई लेकिन कमरे में कोई न था। कोने में खाट और चार-पांच बर्तन पड़े हुए थे। वह बाहर आई और बूढ़े को बताया। बूढ़ा बोला- मंगरू काम पर गया होगा। शाम को लौटेगा। यहां वह किराये पर रहता है।

कमरे में मंगरू को न पाकर गौरा थोड़ी मायूस हो गई, लेकिन शाम को मिलने की सोच कर मुस्काई और साफ-सफाई में लग गई। उसने कमरे में झाड़ू लगाया, बर्तन धोए। नहा-धो कर शाम का इंतजार करने लगी। राह देखते-देखते देर शाम हो गई, लेकिन मंगरू का अब तक कोई पता न था। गौरा का मन फिर घबराने लगा। घना अंधेरा छा गया था। परंतु कमरे में एक दीपक तक न था। जब भी किसी की आहट होती तो गौरा को लगता मंगरू आया होगा, लेकिन दरवाजे पर कोई दस्तक न होती थी। कुछ देर बाद दस्तक हुई। गौरा दौड़ी और दरवाजा खोला।

सामने बूढ़ा खड़ा था। गौरा बोली- वो अब तक आए क्यों नहीं आया?

बूढ़ा बोला- अभी मैं मंगरू के दफ्तर से ही लौटा हूं। साहब ने बताया कि मंगरू का ट्रांसफर हो गया है। मंगरू ने साहब से कई मिन्नतें की लेकिन किसी ने उसकी एक न सुनी और दूसरी जगह भेज दिया। मैं दफ्तर से उसका नया पता ले आया हूं। कल सुबह तुम्हें जहाज पर बैठा दूंगा फिर तुम अपने मंगरू के पास चली जाना।

गौरा घबरा कर बोली- जहाज में? कितने दिन का सफर होगा?

बूढ़े ने कहा- कम से कम आठ से दस दिन तो जरूर लगेंगे। लेकिन घबराओ मत, तुम्हें कोई परेशानी नहीं होगी।

तय बात के मुताबिक अगले दिन गौरा बूढ़े के साथ मंगरू के पास जाने के लिए निकली। बूढ़े ने उसे जहाज पर बैठाया और विदा किया। जहाज जैसे-जैसे किनारे से अलग हो रहा था वैसे-वैसे गौरा को लग रहा था कि अब उसकी अम्मा, गांव सब पीछे छूट रहा है। चारों ओर पानी-पानी देख गौरा का मन अजीब हो रहा था। अंजान जगह में मंगरू को कहां खोजेगी, यह सोच-सोच कर उसका दिल बैठा जा रहा था।

जहाज पर कई स्त्रियां और पुरुष सवार थे। गौरा उन्हें देख और उनकी बातें सुन रही थी। तभी उसकी नजर एक कोने में अकेली बैठी स्त्री पर पड़ी। गौरा ने हिम्मत कर उससे पूछा- कहां जा रही हो बहन?

ये सुनते ही स्त्री की आंखें डबडबा गई। बोली- मुझे नहीं मालूम कि मैं कहां जा रही हूं। बस जहां भाग्य ले जाए वहां चली जा रही हूं। तुम कहां जा रही हो?

गौरा बोली- मैं तो अपने मालिक के पास।

स्त्री झट से बोली- बहन कोई तुम्हें बहला-फुसला कर लाया है। तुम किसके साथ यहां आई?

गौरा ने कहा- मुझे एक बूढ़ा ब्राह्मण यहां बैठा गया। मैं तो अपने पति से मिलने कलकत्ता आई थी।

स्त्री बोली- किनारे पर जो लंबा, दुबला-पतला सा बूढ़ा था, जिसकी एक आंख फूली हुई थी वही?

गौरा- हां, बहन वही।

स्त्री बोली- बहन उसी दुष्ट ने मेरा जीवन बर्बाद किया है। भगवान करे, उसकी सात पुश्तों को नरक नसीब हो। उस कपटी के कारण मैं किसी को मुंह दिखाने लायक नहीं रही। अब जा रही हूं मिश्र देश, वहीं मेहनत-मजदूरी करके गुजर-बसर करूंगी।

ये सब सुनकर गौरा के मुंह से बोल न फूटे। वह सोचने लगी कि अब क्या करूंगी? उसे अपनी मां, अपने गांव, सहेलियों की याद आने लगी। कुछ क्षण बाद हिम्मत करके बोली- अब क्या करें बहन?

स्त्री बोली- अब यह तो वहां पहुंचने के बाद ही मालूम चलेगा। यह कहते-कहते वह जोर-जोर से रोने लगी और अपना दुख बताने लगी।

गौरा ने हिम्मत दी तो स्त्री ने बताया कि शादी के तीसरे साल में उसके पति की मौत हो गई। पति के ख्यालों के साथ वह किसी तरह जी ही रही थी कि एक रोज पापी बूढ़ा वेश बदलकर भिक्षा मांगने आया। उसने सन्यासी का रूप धारण किया हुआ था। मैं उसके जाल में फंस गई और आज मेरी यह दुर्दशा है। इसने मुझे पति से मिलवाने का लालच दिया। मैं बेवकूफ पति से मिलने की चाह में इस बहरूपिया की बात में फंस गई और इसके साथ चल दी। आगे कि कहानी मुझे नहीं मालूम। अगले दिन जब मुझे होश आया तो मैं घर भी नहीं लौट सकती थी। अब बूढ़ा मुझे यहां ले आया और जहाज पर छोड़ गया है।

स्त्री की बातें सुनकर गौरा को समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या प्रतिक्रिया दे। वह बिल्कुल मौन हो गई थी। मंगरू से मिलन का सपना एक झटके में टूट गया था। गौरा को इस हाल में देख स्त्री बोली- भगवान पर भरोसा और साहस रखो बहन। हिम्मत पाकर गौरा बोली- मुझे अब तुम्हारा ही सहारा है, मैं और तुम दोनों अब साथ ही रहेंगे।

स्त्री कुछ न बोली। दोनों एक टक नीले आकाश की ओर निहारने लगी। कई घंटों बाद जहाज किनारे पर पहुंचा। सभी यात्री उतरने लगे। तट पर मौजूद एक आदमी सभी यात्रियों के नाम लिख रहा था। अब गौरा के उतरने की बारी आई। जैसे ही उसने पांव नीचे रखा, वह चौंक गई। उसके शरीर में करंट दौड़ गया। वह जड़ बन गई। न कुछ बोल पा रही थी और न ही पीछे से आवाज दे रहे यात्रियों की बात सुन रही थी। ऐसा लगा मानों दुनिया रुक गई हो।

गौरा के सामने वह दृश्य था, जिसकी उसने उम्मीद छोड़ दी थी। तट पर खड़ा व्यक्ति जो यात्रियों के नाम लिख रहा था वह कोई और नहीं बल्कि मंगरू था। गौरा इस क्षण सातवें आसमान पर थी। उसकी खुशी छिपाए नहीं छिप रही थी। मंगरू ने अपना हाथ आगे बढ़ाया। गौरा ने प्रतिक्रिया न दी। इतने में यात्रा के दौरान मिली स्त्री ने गौरा को कोहनी मारी। गौरा लड़खड़ा गई। मंगरू ने उसे थाम लिया।

स्त्री- क्या हुआ? इस आदमी को पहचानती हो?

गौरा बोली- बहुत अच्छी तरह से। ये ही तो वे हैं जिनसे मिलने के लिए मैं घर से निकली।

स्त्री बोली- अच्छा तो ये तुम्हारे पति हैं। अब तो तुम मेरे साथ न आओगी? मुझे भूल जाओगी?

गौरा बोली- क्या ऐसा भी हो सकता है भला। तुमने मुझे सहारा दिया है।

मंगरू इन दोनों से दूर अपने काम पर लगा हुआ था। वह यात्रियों से जानकारियां जुटाने में व्यस्त था। गौरा कोने में खड़ी मंगरू को निहार रही थी। कुछ देर बाद उसका काम खत्म हुआ और वह गौरा के पास आया।

मंगरू- तुम कौन हो? क्या नाम है तुम्हारा और कहां से आई हो?

गौरा मंद-मंद मुस्काई और बोली- गौरा नाम है हमारा। मदनपुर, बनारस से आए हैं।

मंगरू ने उसका हाथ थाम लिया और आंखों में आंसू लिए बोला- भला तुम यहां आई कैसे?

गौरा ने उसके आंसू पोछे और चौंक कर बोली- तुमने ही तो बुलावा भेजा था, सो मैं आ गई।

मंगरू को समझ नहीं आया कि गौरा क्या कह रही है। उसने बोला- मैंने कब बुलावा भेजा? भला मैं तो पिछले 7 सालों से यहां कैद हूं। चाह कर भी घर नहीं जा सका।

गौरा घबरा कर बोली- तुमने बूढ़े को नहीं भेजा था मुझे लाने के लिए?

मंगरू बोला- बिल्कुल नहीं। गौरा का मन छोटा हो गया। उसने इस जवाब की आशा न की थी।

गौरा गुस्से में बोली- मैं कल ही यहां से चली जाऊंगी। मुझे तुम पर बोझ नहीं बनना।

मंगरू बोला- अब तुम यहां से अगले पांच सालों तक नहीं जा सकती गौरा। यही यहां का नियम है।

गौरा बोली- ठीक है फिर, मैं अलग रह कर अपना पेट पाल लूंगी, लेकिन तुम पर भार न बनूंगी।

मंगरू बोला- तुम मेरे लिए कभी बोझ नहीं हो सकती गौरा। तुम सती हो, देवी हो। जिस बूढ़े आदमी ने तुम बहकाया उसी ने मुझे भी यहां भेजा है। आओ मेरे साथ, मेरे ठिकाने पर चलो। वहां आराम करने फिर आगे बातें होगी। यह स्त्री कौन है तुम्हारे साथ?

गौरा बोली- यह मेरी सहेली है। यात्रा के दौरान जहाज पर मिली। इसका यहां कोई न है अतः यह मेरे साथ ही रहेगी।

मंगरू मान गया। तीनों लोग पैदल चल दिए। तभी सामने से दो लंबे-चौड़े शरीर के आदमी आते दिखाई दिए। मंगरू के पास आकर दोनों आदमियों ने बोला- आज से ये दोनों औरतें हमारी। मंगरू के क्रोध का ठिकाना न था।

मंगरू चिल्लाकर बोला- ये दोनों मेरे घर की स्त्रियां हैं, इन पर आंख तक न डालना।

दोनों आदमी ठहाके लगाकर हंस पड़े। मंगरू का गुस्सा और बढ़ गया। तभी एक आदमी गौरा की ओर बढ़ा और उसका हाथ पकड़ने की कोशिश करने लगा।

मंगरू चिल्लाया- छूना मत वरना अच्छा नहीं होगा।

दोनों आदमी सहम गए और बाद में देख लेने की धमकी देकर आगे निकल गए।

मंगरू, गौरा और उसकी सखी आगे बढ़ गए। मंगरू बोला- इसलिए मैं कह रहा था कि ये जगह तुम जैसी औरतों के लिए नहीं है।

अचानक सामने से एक अंग्रेज आ पहुंचा। उसने मंगरू से कहा- जमादार! ये दोनों औरतें आज से मेरे कोठे में रहेंगी।

मंगरू ने हाथ जोड़ लिए। बोला- साहब! यह मेरे घर की औरतें हैं। इन्हें जाने दीजिए।

अंग्रेज बोला- झूठ मत बोलो तुम। गौरा की ओर इशारा कर उसने कहा- इसको हमारी कोठी में भेज दो।

मंगरू कांप गया और ना में सिर हिलाने लगा, लेकिन तब तक अंग्रेज आगे बढ़ चुका था। साहब की बात पर अमल करना जमादार का काम था। मंगरू समझ नहीं पा रहा था कि वह क्या करे।

आखिरकार रास्ता खत्म हुआ। सामने मजदूरों के रहने के लिए मिट्टी के घर बने थे। बाहर दर्जनों की संख्या में स्त्री और पुरुष बैठे थे। सभी गौरा और सखी को गंदी नजरों से घूर रहे थे।

किसी तरह नजर बचाकर मंगरू दोनों औरतों को घर ले गया और खुद दरवाजे पर बैठा रहा। दोनों स्त्रियां कमरे के भीतर अपने भाग्य को कोसती तो मंगरू दरवाजे पर बैठा रखवाली करता रहा। किसी तरह रात बीती। अगले रोज दिन किसी तरह कट गया। रात के तकरीबन दस बजे दरवाजे पर दस्तक हुई। मंगरू निकला तो देखा सामने सिपाही खड़ा है। सिपाही बोला- चलो तुम्हें साहब ने बुलाया है।

मंगरू बोला- भाई तुम हमारे देश के आदमी हो। मुझ पर मुसीबत आन पड़ी है। मदद करो, जाओ साहब को कह दो कि मंगरू घर पर नहीं है।

सिपाही बोला- न बाबा। वह बहुत गुस्से में है। मैं ऐसा कुछ नहीं कह सकता। तुम साथ चलो।

मंगरू के पास कोई चारा न था, वह सिपाही के साथ निकल गया। मंगरू को सामने देख साहब जोर से चिल्लाया- वह औरत कहां है? कल तुम उसे मेरे कोठे पर क्यों नहीं लाए?

मंगरू ने हाथ जोड़ लिए और बोला- वह मेरी पत्नी है, साहब।

साहब बोला- वह दूसरी कौन थी फिर?

मंगरू- मालिक वह मेरी बहन है।

साहब गुस्से में बोला- हम कुछ नहीं जानते हैं, तुम उन दोनों में से किसी एक को लेकर आओ, जल्दी।

मंगरू साहब के पैरों में गिर गया और रोने लगा, लेकिन साहब का दिल नहीं पसीजा। उसने आदेश दिया- जल्दी एक स्त्री को लेकर आओ वरना तुम्हें कोड़े पड़ेंगे।

मंगरू कोड़े खाने को तैयार हो गया। साहब नशे में था। उसने न आव सोचा न ताव। हंटर निकाला और कोड़े बरसाने शुरू किए। मंगरू की चीख निकल आई। साहब उसे लगातार कोड़े मारते रहे लेकिन वह अपने घर की औरतों की इज्जत देने को तैयार न हुआ। उसने अपने प्राण त्यागना बेहतर समझा।

इधर गौरा और सखी कमरे में बैठे मंगरू की बाट देख रही थी। उन्हें क्या पता कि मंगरू पर क्या बीत रही थी। अचानक किसी के चीखने-रोने की आवाज सुनाई पड़ी। कान लगाकर सुना तो कलेजा मुंह को आ गया। यह मंगरू की आवाज थी। गौरा दौड़ कर दरवाजे पर पहुंची। मंगरू की आवाज सुनकर उससे रहा न गया तो आवाज के पीछे दौड़ गई।

फाटक खुला था। गौरा कोई है, कोई है आवाज देने लगी, लेकिन जवाब न मिला। वह अंदर जा पहुंची। सामने मंगरू खुले बदन लहूलुहान हुए खड़ा था और अंग्रेज उस पर चाबुक बरसा रहा था। गौरा से यह सहन नहीं हुआ। वह दौड़कर मंगरू से लिपट गई और बोली- इनके बदले जितना चाहो मुझे मार लो लेकिन इन पर दया करो।

अंग्रेज खुश होकर गौरा से बोला- तुम यहां मेरे पास रहोगी तो मैं इसे छोड़ दूंगा। गौरा बहुत असहाय महसूस कर रही थी। कुछ न बोली। वहीं मंगरू दर्द से कहरा रहा था। जिस साथ के लिए वह यह सब कर रहा था उसकी आंखों के सामने वह उससे छूट रहा था।

गौरा ने दिल पर पत्थर रख कर कहा- मुझे तुम्हारी शर्त मंजूर है। लेकिन अपने पति के स्वस्थ होने के बाद मैं तुम्हारे पास आऊंगी। अंग्रेज बात मान गया। उसने मंगरू पर अत्याचार बंद किया और सिपाही को उसे अस्पताल में भर्ती कराने का आदेश दिया। मंगरू को अस्पताल ले जाया गया। गौरा भी उसके साथ थी। इलाज के दौरान गौरा एक क्षण के लिए भी मंगरू के सामने से नहीं हटी। चार दिनों के इलाज के बाद मंगरू ने आंखें खोली।

तय शर्त के मुताबिक अब गौरा को मंगरू का साथ छोड़ अंग्रेज के पास जाना था। यह उसे मंजूर नहीं था। ऐसे में उसने मरना बेहतर समझा। अस्पताल के बाहर नदी की धार बह रही थी। गौरा जाकर उसमें कूद पड़ी। आनन-फानन में एक अस्पताल कर्मचारी दौड़ा मंगरू के पास आया और गौरा के नदी में कूदने की सूचना दी। मंगरू की आंखों के सामने अंधेरा छा गया। उसे कुछ समझ नहीं आया। दौड़ कर नदी के सामने पहुंचा और छलांग मार दी। जीते जी जो कभी साथ नहीं रह पाए अब वे दोनों परलोक की यात्रा में साथ जा रहे थे।

कहानी से सीख :

शूद्र कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि व्यक्ति को अपना मन साफ और सच्चा रखना चाहिए। किसी कार्य को करने के पीछे यदि आपकी नियत नेक होती है तो नियति आपके साथ कभी बुरा नहीं करेगी।

New Delhi

भारत के लिए अच्छी खबर! अमेरिका ने रूसी तेल पर दी गई छूट को एक महीने और बढ़ाया

नई दिल्ली, (एजेंसी) अमेरिका ने रूसी तेल और पेट्रोलियम उत्पादों पर लगे प्रतिबंधों में दी गई छूट को एक महीने और बढ़ा दिया है। ट्रंप प्रशासन ने 17 अप्रैल (शुक्रवार) को यूएस ट्रेजरी विभाग के जरिए नया लाइसेंस जारी कर दिया है। इसके तहत देश अब 16 मई 2026 तक समुद्र में लोडेड रूसी तेल खरीद सकते हैं। यह फैसला भारत समेत कई आयातक देशों के लिए राहत भरा है, क्योंकि इससे सस्ता रूसी कच्चा तेल मिलता रहेगा। यह फैसला ट्रंप प्रशासन के उस बयान के मात्र दो दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस तरह की छूट को आगे बढ़ाने की उनकी कोई योजना नहीं है।

वैश्विक ऊर्जा संकट और युद्ध का प्रभाव

यह लाइसेंस ट्रंप सरकार के उन प्रयासों का एक हिस्सा है जिसका उद्देश्य वैश्विक ऊर्जा कीमतों को नियंत्रित करना है। ईरान पर अमेरिका-इजरायल युद्ध के दौरान ऊर्जा की कीमतों में भारी उछाल आया है। यह नया लाइसेंस उस 30-दिवसीय छूट का स्थान लेगा जो 11 अप्रैल को समाप्त हो गई थी। इस समझौते में एक स्पष्ट शर्त यह है कि ईरान, क्यूबा और उत्तर कोरिया से जुड़े किसी भी लेन-देन को इस छूट से बाहर रखा गया है।

बुधवार को, ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा था कि अमेरिका अब रूसी और ईरानी तेल के लिए दी गई छूट को आगे नहीं बढ़ाएगा। लेकिन अब बढ़ा दिया है। ईरान के लिए दी गई छूट भी रविवार को समाप्त होने वाली है।

Maharashtra

लैंडिंग के वक्त वायुसेना विमान का गियर फेल, पुणे एयरपोर्ट पर हुई हार्ड लैंडिंग; रनवे बंद

पुणे, (एजेंसी) शुक्रवार देर रात भारतीय वायुसेना (IAF) के एक लड़ाकू विमान से जुड़ी घटना के बाद पुणे हवाई अड्डे का रनवे अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। घटना के बाद रनवे को साफ करने और परिचालन को जल्द से जल्द बहाल करने के प्रयास युद्धस्तर पर जारी हैं। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, यह घटना रात करीब 10:25 बजे हुई। लैंडिंग के दौरान एक लड़ाकू विमान का लैंडिंग गियर फेल हो गया, जिसकी वजह से विमान रनवे पर ही रुक गया और रनवे ब्लॉक हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि विमान की हार्ड लैंडिंग हुई थी।

हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, यह घटना रात करीब 10:25 बजे हुई। लैंडिंग के दौरान एक लड़ाकू विमान का लैंडिंग गियर फेल हो गया, जिसकी वजह से विमान रनवे पर ही रुक गया और रनवे ब्लॉक हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि विमान की हार्ड लैंडिंग हुई थी।

भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पुणे का रनवे वायुसेना के एक विमान से जुड़ी घटना के कारण अस्थायी रूप से अनुपलब्ध है। चालक दल (एयरक्रू) सुरक्षित है और किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

Rajasthan

जयपुर में जहरीली गैस से 2 मजदूरों की मौत

जयपुर, (एजेंसी) राजधानी जयपुर के झोटवाड़ा जोन स्थित 200 फीट रोड पर सीवरेज टैंक की सफाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। जहरीली गैस के रिसाव से दम घुटने के कारण दो मजदूर अचेत हो गए, जिन्हें तत्काल कांवटिया अस्पताल ले जाया गया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, सीवरेज टैंक की सफाई के लिए मजदूरों को ठेकेदार द्वारा टैंक के अंदर उतारा गया था। इसी दौरान टैंक में जमा जहरीली गैस के संपर्क में आने से दोनों मजदूरों की हालत अचानक बिगड़ गई और वे बेहोश हो गए।

घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि सीवरेज सफाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों और सुरक्षा मानकों की पूरी तरह अनदेखी की गई। सुरक्षा उपकरणों के बिना ही मजदूरों को टैंक में उतार दिया गया था। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सीवरेज सफाई कार्यों में हो रही लापरवाही और मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय प्रशासन की भूमिका की भी जांच की मांग उठ रही है।

Karnataka

कार और बस की टक्कर में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत

यादगिर, (एजेंसी) कर्नाटक में यादगिर जिले के सुरपुर तालुका में शुक्रवार को एक निजी बस से भिड़ंत के बाद कार में आग लगने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि यह दुर्घटना सुरपुर तालुका में शांतापुरा क्रॉस के पास हुई। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान कृष्णा नायक (52) और उनकी पत्नी अनंत काला (45), शरणप्पा (36) और उनकी पत्नी निसर्गा (30), उनके बच्चे सिद्धार्थ (3), आद्विक (5), और श्रीनिधि (1.5) और शशिकला (30) और उनके बेटा चंदन (8) के रूप में हुई है।

पुलिस का कहना है कि शशिकला का दूसरा बेटा विराट (10) बाल-बाल बच गया। प्रारंभिक जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से पुलिस अधीक्षक पृथ्वी शंकर ने एजेंसी को बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि कार का टायर फट गया, जिसके बाद चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार एक निजी बस से जा टकरायी। उन्होंने कहा कि इसके बाद कार में आग लग गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कार में पांच बच्चों समेत कुल 10 लोग सवार थे।

दुर्घटना में दो बच्चों समेत चार लोग मौके पर जिंदा जल गये। उन्होंने कहा कि इन सभी को यादगिर चिकित्सा विज्ञान संस्थान ले जाया गया जहां इनमें से नौ को मृत घोषित कर दिया गया जबकि एक मात्र जिंदा बचे विराट का इलाज किया जा रहा है। एसपी के अनुसार, कार में सवार ये लोग रायचूर जिले के सिरवार तालुका के निवासी थे।

खेल

सत्र की पहली जीत को तरसी केकेआर

अब गुजरात से भी हारी मुकाबला, गिल का लगातार तीसरा 50+ स्कोर

अहमदाबाद, (एजेंसी) गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को पांच विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने कैमरन ग्रीन की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में 10 विकेट पर 180 रन बनाए। जवाब में गुजरात ने 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 181 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह केकेआर की इस सीजन में पांचवीं हार है।

टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अजिंक्य रहाणे को मोहम्मद सिराज ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। नंबर तीन पर उतरे अंगकृष रघुवंशी भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 4 गेंदों में सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हुए। टिम सीफर्ट भी 14 गेंदों का सामना करने के बाद 19 रन बनाकर आउट हुए। 32 के स्कोर पर तीन विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही केकेआर की पारी को रोवमैन पॉवेल और कैमरून ग्रीन ने संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 55 रन जोड़े। पॉवेल 20 गेंदों में 27 रन बनाकर आउट हुए।

अनुकूल रॉय सात गेंदों में नौ रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा का शिकार बने। रिंकू सिंह भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह महज एक रन बनाकर आउट हुए। रमनदीप सिंह ने आठ गेंदों का सामना करते हुए दो चौके और एक छक्के की मदद से 17 रन बनाए। हालांकि, कैमरून ग्रीन ने एक छोर संभाले रखा और शानदार बल्लेबाजी करते हुए 55 गेंदों में 79 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में ग्रीन ने सात चौके और चार छक्के लगाए। गेंदबाजी में गुजरात टाइटंस की ओर से कगिसो रबाडा ने चार ओवर के स्पेल में सिर्फ 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं, सिराज और अशोक शर्मा ने दो-दो विकेट निकाले। राशिद खान और प्रसिद्ध कृष्णा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

केकेआर से मिले 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी रही। पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल ने मिलकर 57 रन जोड़े। सुदर्शन 16 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद सुनील नरेन का शिकार बने। इसके बाद जोस बटलर और गिल ने दूसरे विकेट के लिए 24 गेंदों में 38 रन जोड़े। बटलर 15 गेंदों में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 25 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, कप्तान शुभमन गिल ने एक छोर से अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और अपना अर्धशतक पूरा किया।

गिल ने 50 गेंदों का सामना करते हुए 86 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में गिल ने आठ चौके और चार छक्के लगाए।

सिनेमा

'बॉलीवुड को फर्क नहीं पड़ता', फिल्म में कटा एक्ट्रेस का रोल, बोलीं- साउथ है बेहतर

बॉलीवुड एक्ट्रेस एली अवराम ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में दस साल पूरे कर लिए हैं। ऐसे में उन्होंने अपने लंबे सफर के बारे में खुलकर बात की. एक्ट्रेस ने बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में बढ़िया काम किया है. दोनों फिल्म इंडस्ट्री के वर्किंग कल्चर के बीच होने वाली तुलना पर एली ने अपने विचार रखे. हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में एली अवराम ने अपने एक्सपीरिएंस को ईमानदारी से शेयर करते हुए बताया कि उन्हें साउथ फिल्म सेट्स ज्यादा शांतिभरे लगते हैं. बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में एली अवराम ने कहा कि उन्हें दोनों इंडस्ट्रीज में अच्छा अनुभव मिला है. लेकिन साउथ में काम करने का उनका एक्सपीरिएंस ज्यादा बेहतर रहा. उन्होंने कहा, 'मुझे साउथ के सेट पर ज्यादा शांतिपूर्ण माहौल मिला है. बॉलीवुड से ज्यादा...' इससे उनका इशारा हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में भागदौड़ और हलचल भरे माहौल की तरफ था. उन्होंने आगे कहा, 'साउथ फिल्म क्रू शांत माहौल बनाए रखना पसंद करते हैं. वे चीखने-चिल्लाने की बजाय वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल करते हैं.' एली के अनुसार, अंतर सिर्फ रफ्तार का नहीं है, बल्कि पूरे सेट के मैनेजमेंट का भी है. एक्ट्रेस ने बॉलीवुड के कुछ खराब अनुभवों के बारे में भी खुलकर बताया. हिंदी फिल्म सेट्स पर कभी-कभी मिलने वाली बेपरवाही का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मेरा बॉलीवुड अनुभव ज्यादातर ऐसा रहा है कि अगर आप खाना खा भी रहे हों, फिर भी आपको बताया जाता है कि आपका शॉट तैयार है. हमें इसकी परवाह नहीं कि आपने खाना खाया है या नहीं, भले ही आप बेहोश हो जाएं, लेकिन शॉट तैयार है.'

Highlights

1. India's power demand may touch 275-285 GW due to heatwaves: IMD
2. UP Cabinet, BJP unit likely to witness reshuffle next week: Report
3. Absolute shame: Fadnavis as Women's Reservation Bill fails LS test
4. SP, CPI(M) leaders stopped at borders amid Noida workers' protests
5. 'Women wearing shorts distract teachers, invite sexual harassment,' says TN university VC

India-EU FTA to boost Ferrari's accessibility, act as demand catalyst : Regional Head

NEW DEIHI, (Agency). New Delhi: Italian luxury carmaker Ferrari expects the proposed India–EU Free Trade Agreement (FTA) to significantly improve accessibility and accelerate demand in the Indian market, even as it maintains its global strategy of limited volumes and brand exclusivity.

Charles Antoine Geneste, Head of Southeast Asia and India at Ferrari, said the anticipated reduction in import duties could materially lower entry barriers for potential buyers while aligning with the company's long-term India strategy.

"The FTA is great news for us. We see it as an improvement of accessibility for our cars and a catalyst to accelerate the demand that we are already witnessing in India," Geneste told HT Auto.

FTA to lower effective prices, improve access

Currently, completely built units (CBUs) attract import duties upwards of 100% in India. Under the proposed FTA framework, duties could reduce significantly, potentially to around 30%.

"With the information we have today, a reduction in import duty from around 110% to 30% could translate into roughly a 30% reduction in retail price for customers," Geneste said.

He added that Ferrari intends to pass on the benefits of any duty reduction directly to customers. Interestingly, the company is already preparing buyers for a post-FTA scenario.

"Customers can already walk into dealerships, configure their cars, and effectively align deliveries with the expected implementation timeline of the FTA," he noted.

Not volume-driven, but demand-responsive

Despite the potential for increased demand, Ferrari reiterated that its global philosophy will remain unchanged, prioritising exclusivity over scale. "Our strategy is not volume-driven. As our founder said, we will always produce one car less than the demand," Geneste said.

This approach will continue to guide allocations in India as well, even if demand surges post-FTA. "We will follow demand with a balanced and strategic approach, but always maintaining the same philosophy, focusing on quality, community, and long-term engagement rather than volumes," he added.

While India remains a relatively small market for ultra-luxury performance cars, Ferrari sees strong structural tailwinds, from rising wealth to improving infrastructure and growing enthusiast culture. "India is a developing market, but all indicators (from infrastructure to customer appetite) are moving in the right direction," Geneste said.

Mamata hails Supreme Court order on appellate tribunals and freeze voter lists: 'Nobody happier than me'

NEW DEIHI, (Agency). West Bengal chief minister Mamata Banerjee expressed her "extreme happiness" on Thursday following the Supreme Court's order regarding appellate tribunals and the relaxation of the earlier freeze on voter lists. Despite the ruling, the Election Commission (EC) has yet to clear the air regarding the operational procedures of the 19 tribunals that commenced work earlier this week.

The Supreme Court on Thursday ordered that people cleared by appellate tribunals

for inclusion in electoral rolls at least two days before polling will be entitled to vote in the upcoming West Bengal assembly elections, significantly relaxing the earlier freeze on voter lists and offering relief to many caught in the ongoing special intensive revision exercise.

"I got the good news soon after the boarding the chopper. I have been telling the people (whose names were deleted after adjudication) to have patience and appeal before the tribunals. Today or tomorrow their names would be enrolled. I am so happy. Nobody is happier than me today," Banerjee told reporters in Cooch Behar.

अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम जयंती का संदेश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सनातन धर्म में अक्षय तृतीया का दिन अनंत शुभ फल देने वाला माना गया है। यह केवल सोना-चांदी खरीदने का पर्व नहीं, बल्कि सत्कर्म, दान, तप और संयम के माध्यम से अपने जीवन को "अक्षय" बनाने का अवसर है।

इसी दिन भगवान परशुराम जी का अवतरण हुआ—जो शक्ति, धर्म और

न्याय के प्रतीक हैं। उन्होंने यह संदेश दिया कि ज्ञान और बल तभी सार्थक है जब वह अधर्म के विरोध और धर्म की रक्षा के लिए प्रयुक्त हो।

ब्राह्मण का सच्चा आचरण क्या है?

1. ब्राह्मण होना केवल जन्म नहीं, बल्कि कर्म और आचरण का विषय है।
2. सत्य बोलना
3. शास्त्रों का अध्ययन एवं प्रचार
4. अहंकार से दूर रहना
5. समाज को सही मार्ग दिखाना
6. दया, क्षमा और संयम रखना

यदि इन गुणों का पालन नहीं है, तो केवल "ब्राह्मण" कहलाना पर्याप्त नहीं। आज के समय में सबसे बड़ा तप यही है कि हम अपने धर्म और कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें।

● इस पावन अवसर पर संकल्प लें

धर्म के मार्ग पर चलने का, अपने आचरण को श्रेष्ठ बनाने का, समाज में सद्भाव और सत्य फैलाने का यही सच्ची पूजा है, यही सनातन की पहचान है।

(बाबा पण्डित)

डेली कॉलेज में जारी गतिरोध अब एक आर-पार की जंग में तब्दील हो गया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। प्रतिष्ठित डेली कॉलेज में जारी गतिरोध अब एक आर-पार की जंग में तब्दील हो गया है। हालिया घटनाक्रम में डेली कॉलेज सोसायटी ने संदीप पारिख और उनके समर्थकों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोसायटी ने विरोध पक्ष के दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक 'भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण अभियान' करार दिया है। मैनेजमेंट ने दो टूक शब्दों में स्पष्ट कर दिया है कि एफआईआर वापस नहीं ली जाएगी, क्योंकि यह मामला संस्था की गरिमा और महिला शिक्षकों के सम्मान से जुड़ा है।

सोसायटी द्वारा जारी बयान में एफआईआर नंबर 0038/2026 का हवाला देते हुए बताया गया कि आरोपियों पर फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए स्कूल की छवि बिगाड़ने और महिला स्टाफ के आपत्तिजनक चित्रण जैसे गंभीर आरोप हैं। न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने को सोसायटी ने अपने पक्ष की सत्यता का प्रमाण बताया है। मैनेजमेंट का तर्क है कि यह कानूनी कार्रवाई किसी प्रतिशोध के कारण नहीं, बल्कि संस्थागत अनुशासन बनाए रखने के लिए की गई है।

विरोध प्रदर्शनों पर सवाल उठाते हुए सोसायटी ने कहा कि स्कूल परिसर में बिना अनुमति के भीड़ जुटाना बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। मैनेजमेंट के अनुसार, यह केवल 20-25 लोगों का एक सीमित गुट है, जबकि 300 से अधिक ODA सदस्यों ने लिखित में शिकायत दर्ज कराकर संदीप पारिख के नेतृत्व वाले इस विरोध से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया है। संविधान संशोधन के विवाद पर स्थिति स्पष्ट करते हुए सोसायटी ने बताया कि बायलॉज में किए गए बदलाव पूरी तरह वैध और संस्था के हित में हैं। नए संशोधनों के तहत ODA के बोर्ड प्रतिनिधित्व को 2 से बढ़ाकर 3 कर दिया गया है, जो एसोसिएशन के प्रभाव को बढ़ाता है न कि कम करता है। सोसायटी ने उन दावों को निराधार बताया जिसमें कहा गया था कि सदस्यों के मतदान के अधिकार छीने जा रहे हैं। मैनेजमेंट ने यह भी स्पष्ट किया कि एजीएम बुलाने और चुनाव प्रक्रिया का निर्धारण करना बोर्ड का वैधानिक अधिकार है।

ज्योतिषीय/अनुष्ठानिक
सलाह -मार्गदर्शन हेतु सम्पर्क करें
"एक सलाहकार और शुभचिंतक"
॥ बाबापण्डित ॥
(अनुष्ठानिक कार्य एवं हरिकथा प्रेमी)
आपकी परिस्थितियों को समझते हुए मेरी एक अनुष्ठानिक प्रयोग की सलाह आपकी पीड़ा / समस्या के समाधान में सहायक हो सकती है।
- कतिपय अनुष्ठान प्रयोग -
एक दिवसीय महागणपति एवं आदिदेवभास्कर अभिसिंचन अनुष्ठान
एकदिवसीय अष्टमहालक्ष्मी विनायक अनुष्ठान
एकदिवसीय महादेवरुद्र स्तवन अनुष्ठान
एकदिवसीय हनुमंतवंदन- वाल्मीक सुंदरकांड अनुष्ठान
त्रिदिवसीय सत्यनारायण पूजनकथा - हरिकथा अनुष्ठान
इसके अन्यत्र यजमान की समस्या की भूमिका एवं प्रकृतिनुसार अन्य वैदिक/शास्त्रोक्त अनुष्ठानों का भी प्रयोग समस्या निवारण में किया जा सकता है।
कृपया अपनी जिज्ञासा/समाधान हेतु संपर्क करे।
Email - babapandit.in@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक